म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

अंग्रेजी
हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी

जीवंत व्याकरण

भारत में विद्यालय समर्थित
शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेवसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रकिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी - केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त, सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीयकरण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियों संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है*)*। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE10v1

Madhya Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

मेरे विद्यार्थी व्याकरण के नियमों को याद करने में बहुत सारा समय व्यतीत करते हैं, और उनमें से अधिकांश विद्यार्थी नियमों का वर्णन कर सकते हैं। लेकिन उनमें से कई विद्यार्थी अब भी व्याकरण के अभ्यासों को सही तरह से नहीं कर पाते हैं और वे जब बोलते या लिखते हैं तब सही व्याकरण का प्रयोग नहीं करते हैं। अंग्रेजी व्याकरण को सही ढंग से सीखने और उसका प्रयोग करने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के लिए मैं क्या कर सकती हूँ?

आपके विद्यार्थी व्याकरण के नियमों का वर्णन करने में समर्थ हो सकते हैं, लेकिन इसका यह मतलब होना आवश्यक नहीं है कि वे पाठ्यपुस्तकों या परीक्षाओं में व्याकरण के अभ्यासों को पूरा करने में सक्षम हैं। व्याकरण के नियमों का पता होने का मतलब हमेशा यह नहीं होता कि बोलते या लिखते समय विद्यार्थी भाषा का प्रभावी ढंग से प्रयोग कर सकते हैं। नियमों को याद करना भाषा को सीखते समय मददगार हो सकता है, लेकिन अंग्रेजी व्याकरण को समझने और अपने लेखन और बोलचाल में उसका प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के लिए आप अन्य तकनीकों का प्रयोग कर सकते हैं।

इन तकनीकों में शामिल हैं:

- विद्यार्थियों को ऐसी गतिविधियाँ देना जो उन्हें यह देखने में मदद करती हैं कि उनकी पाठ्यपुस्तकों के गद्यांशों में या अन्य पाठों में व्याकरण का प्रयोग कैसे किया जाता है।
- उदाहरणों को देखकर व्याकरण के नियमों का अनुमान करने में विद्यार्थियों की मदद करना।

इन तकनीकों का उद्देश्य विद्यार्थियों से ऐसी गतिविधियाँ करवाना है जो उन्हें लेखन और बोलचाल के माध्यम से अंग्रेजी व्याकरण के प्रतिमानों को देखने और व्याकरण का अभ्यास करने का अवसर देती हैं। इसको करने से आपके विद्यार्थियों की अंग्रेजी में संचार करने की क्षमता में वृद्धि होगी।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- संचार करने के लिए व्याकरण का प्रयोग करने में विद्यार्थियों की मदद कैसे करें।
- अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाने के लिए पाठ्य पुस्तक और अन्य संसाधनों का प्रयोग कैसे करें।
- अंग्रेजी भाषा के प्रयोग के प्रतिमानों को देखने और व्याकरण के नियमों का अनुमान करने में विद्यार्थियों की मदद कैसे करें।

यह तरीका क्यों महत्वपूर्ण है

व्याकरण भाषा का एक अनिवार्य अंग होती है। यदि आप अपने विद्यार्थियों की अंग्रेजी व्याकरण के ज्ञान और प्रयोग को सुधारने में मदद कर सकते हैं, तो उनका स्तर चाहे जो भी हो, आप उनकी न केवल स्कूल के अध्ययनों और परीक्षाओं में मदद करेंगे, बल्कि आप उनकी लिखित और बोलचाल की अंग्रेजी भाषा को भी बेहतर समझने में मदद करेंगे। वास्तविक जीवन में, आम तौर पर विद्यार्थी अपने विचारों और अनुभूतियों को व्यक्त करने में मदद के लिए व्याकरण की किताब लेकर नहीं घूमते हैं। इसलिए व्याकरण पढ़ाने में विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में व्याकरण का प्रभावी ढ़ंग से प्रयोग करने के लिये तैयार करना शामिल होता हैं।

1 व्याकरण पढ़ाने के विभिन्न तरीके

एक कक्षा में शिक्षक ने हमें reported speech पढ़ाई। शिक्षक ने बोर्ड पर नियम लिखे और हमसे उन्हें अपनी कॉपियों में उतारने को कहा। हमें होमवर्क में नियमों को सीखने के लिए कहा गया। अगली कक्षा में, शिक्षक ने मुझसे खड़े होने और नियम बोलने के लिए कहा। मैं उन्हें याद नहीं कर सकी, और मुझे शर्मिंदगी महसूस हुई। मैंने उन्हें सीखने का प्रयास किया लेकिन वे मुझे याद नहीं हो रहे थे। उसके बाद, हमने reported speech पर व्याकरण के कुछ अभ्यासों में एक परीक्षा दी। मुझे नियम याद नहीं आए और मुझे निम्न ग्रेड प्राप्त हुआ। मेरी सहेली को नियम याद थे लेकिन उसे भी बहुत अच्छा ग्रेड नहीं मिला – उसने कहा कि जब वह अभ्यास कर रही ती तब नियम किसी काम के नहीं थे।

विचार कीजिए

यदि हो सके, तो अपने किसी साथी शिक्षक के साथ निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करें।

- क्या आपकी कक्षाओं में विद्यार्थियों को व्याकरण के नियमों को याद रखने में कठिनाई होती है?
- क्या आपके पास ऐसे विद्यार्थी हैं जो नियम तो याद रखते हैं लेकिन फिर भी केवल निम्न ग्रेड प्राप्त करते हैं?

कुछ विद्यार्थी व्याकरण के नियमों को सीखने के लिए समय का प्रयोग या प्रयास नहीं करते हैं, लेकिन अन्य विद्यार्थी उपरोक्त विद्यार्थी के जैसे होंगे: वे नियमों को सीखने का प्रयास करते हैं लेकिन उन्हें याद रखने में कठिनाई महसूस करते हैं। यदि वे उन्हें याद कर भी लें तब भी उन्हें नियमों को सोचने और लागू करने के लिए समय की जरूरत होती है।

भाषा को अकेले नियमों के माध्यम से ही नहीं सीखा जा सकता। भाषा सीखने वालों को भाषा का *प्रयोग* उसे धाराप्रवाह बोलने के लिए करना चाहिए न कि केवल उसके बारे में सीखने के लिए भाषा को कैसे इस्तेमाल किया जाता है यह समझने के लिए, उसका प्रयोग करने के ढेर सारे उदाहरणों को देखना और सुनना चाहिए।

अब कक्षा 10 के एक विद्यार्थी के अनुभवों के बारे में पढ़ें।

मुझे अंग्रेजी व्याकरण में अच्छे ग्रेड मिलते हैं – मेरी पिछले परीक्षा में मुझे 93 प्रतिशत मिले। लेकिन मुझे अंग्रेजी में बोलने में अब भी कठिनाई होती है। एक आगंतुक विदेश से हमारे स्कूल में आई और उन्होंने हमसे अंग्रेजी में कुछ प्रश्न पूछे। मैं उन्हें बहुत अच्छे ढंग से समझ नहीं पाया। उन्होंने जो कुछ कहा शिक्षक ने उसका अनुवाद किया, लेकिन मैं प्रश्नों का उत्तर अंग्रेजी में नहीं दे सका। मैं पर्याप्त शीघ्रता से भाषा सोचने में असमर्थ रहा।

विचार कीजिए

हो सके तो अपने किसी साथी शिक्षक के साथ इन प्रश्नों पर चर्चा करें:

- क्या आपकी कक्षाओं में इस तरह के विद्यार्थी हैं?
- आप क्यों सोचते हैं कि उन्हें अंग्रेजी में बोलने में समस्याएं हैं, हालांकि उन्हें व्याकरण के लिए अच्छे ग्रेड मिलते हैं?

कुछ विद्यार्थी व्याकरण के लिखित अभ्यासों को बहुत अच्छी तरह से करने में सक्षम हो सकते हैं, लेकिन इसका मतलब हमेशा ही यह नहीं होता कि वे जब अंग्रेजी लिख रहे या बोल रहे होते हैं तब उसका प्रयोग अच्छी तरह से करने में समर्थ हैं। व्याकरण का प्रभावी ढंग से प्रयोग करने के लिए, विद्यार्थियों को उसे बोलने और लिखने की विभिन्न प्रकार की स्थितियों में अभ्यास करने की जरूरत होती है – केवल व्याकरण के अभ्यास या परीक्षाएं ही नहीं।

गतिविधि 1: अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाने के तरीके

अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाने का कोई 'सही' तरीका नहीं है। तथापि, यदि आप अपने व्याकरण पढ़ाने के तरीके में परिवर्तन करते हैं, तो आप परीक्षाओं और वास्तविक जीवन की स्थितियों में उसे समझने और उसका प्रयोग करने में अधिक विद्यार्थियों की मदद करेंगे। उदाहरणों का प्रयोग और विद्यार्थियों से व्याकरण के नियमों का अनुमान करवाने से उन्हें नियमों को सफलतापूर्वक सीखने और उनका प्रयोग करने में मदद मिल सकती है। यह देखना कि भाषा उस सन्दर्भ में कैसे काम करती है व्याकरण के किसी नियम को केवल याद करने से अधिक प्रभाव डाल सकता है।

यहाँ पर व्याकरण के एक बिंदु को पढ़ाने के तीन अलग-अलग तरीके प्रस्तुत हैं। यहाँ दिए गए उदाहरण reported speech के बारे में हैं, जिसे माध्यमिक कक्षाओं की अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तकों में आम तौर पर पढ़ाया जाता है, लेकिन आप व्याकरण के किसी भी बिंदु का प्रयोग कर सकते हैं:

- यह तरीका अधिकतर व्याकरण के नियम पर केन्द्रित है। श्रीमती किरण बोर्ड पर व्याकरण बिंदु लिखती हैं ('Reported Speech') और उन्हें निम्नलिखित नियम देती हैं:

  'If the verb in the original sentence is in the present tense in direct speech, it shifts to past tense in reported speech.'

  उसके बाद, वे विद्यार्थियों से पाठ्यपुस्तकों में reported speech पर दिए गए अभ्यास वैयक्तिक रूप से करने के कहती हैं। फिर वे उनसे होमवर्क में उस नियम को याद करने के लिए कहती हैं।

- यह तरीका परस्पर बातचीत पर आधारित है, क्योंकि शिक्षक विद्यार्थियों से उदाहरण देने को कहते हैं। श्री कपूर बोर्ड पर व्याकरण बिंदु लिखते हैं ('Reported Speech') और नियम को स्पष्ट करते हैं (ऊपर की तरह)। समझाते समय, वे direct speech स्पीच को indirect speech में बदलने के कुछ उदाहरण लिखते हैं, जैसा कि तालिका 1 में दर्शाया गया है।

*तालिका **1** direct और reported speech के उदाहरण।*

	परिचय	**direct speech**	**reported speech**
उदाहरण	Kamal said:	'I want a samosa.'	Kamal said that he wanted a samosa.
काल	Simple past	Simple present	Simple past

फिर वे विद्यार्थियों को समूहों में संगठित करते हैं और उनसे direct speech में कुछ वाक्य लिखने को कहते हैं। वे समूहों से अपने वाक्यों की अदला-बदली करने और उन्हें direct speech से indirect speech में बदलने को कहते हैं।

- इस तरीके में, शिक्षक विद्यार्थियों से उदाहरणों से यह अनुमान लगाने का प्रयास करवाते हैं कि नियम क्या है। श्रीमती अग्रवाल बोर्ड पर reported speech का प्रयोग करते हुए एक वाक्य लिखती हैं:

'Sachin Tendulkar said he had never tried to compare himself to anyone else.'

वे सचिन के मूल वाक्य को बोर्ड पर लिखती हैं:

'I have never tried to compare myself to anyone else.'

फिर वे विद्यार्थियों से वाक्यों के बीच अंतर बताने को कहती हैं। वे यह काम कुछ और उदाहरणों के साथ करती हैं, और विद्यार्थियों से पूछती हैं कि क्या वे बता सकते हैं कि reported speech के क्या नियम हैं। विद्यार्थियों द्वारा अपने विचार बता चुकने के बाद, शिक्षक नियम समझाती हैं, और अपने विद्यार्थियों से कुछ अन्य वाक्यों का अभ्यास करने को कहती हैं।

अगले कुछ अध्यायों के दौरान, इनमें से प्रत्येक तरीके को अपनी कक्षाओं में आजमाएं। प्रत्येक अध्याय के बाद, सोचें कि आपके विद्यार्थियों ने प्रत्येक तरीके से क्या सीखा: किन विद्यार्थियों ने व्याकरण बिंदु को सीख लिया है और किन विद्यार्थियों को व्याकरण बिंदु के साथ आश्वस्त होने के लिए अधिक मदद की जरूरत है? आप इन विद्यार्थियों की मदद कैसे करेंगे? क्या वे एक दूसरे की मदद कर सकते हैं?

फिर अपने अनुभवों की तुलना संसाधन 1 से करें, जो ऊपर सूचीबद्ध प्रत्येक तरीके के लाभों और चुनौतियों का वर्णन करता है।

केस–स्टडी 1 श्री शर्मा का अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाने का अलग तरीका

श्री शर्मा एक सरकारी स्कूल में कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। उन्होंने अपने विद्यार्थियों *को reported speech समझाई, और बोर्ड पर नियम और कुछ उदाहरण लिखे। उनके अधिकांश विद्यार्थी नियमों और उदाहरणों को बोलकर सुना सकते थे लेकिन तब भी उन्हें अपनी परीक्षा में बहुत अच्छे ग्रेड नहीं मिले।*

मैंने सोचा reported speech को बेहतर ढंग से समझने में मैं अपने विद्यार्थियों की कैसे मदद कर सकता हूँ। मैं समझ रहा था कि नियमों को याद करने से व्याकरण बिंदु को समझने में सहायता नहीं मिल रही है, और इससे उन्हें उसका प्रयोग करने में मदद नहीं मिल रही है। उन्हें संरचना के अधिक उदाहरण देखने की जरूरत थी, और reported speech का प्रयोग करने के लिए उन्हें अधिक अभ्यास चाहिए था। मैंने विविध प्रकार के कालों सहित, direct speech के कुछ उदाहरण बोर्ड पर लिखे। उसे अधिक रोचक और विद्यार्थियों की जीवन से अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए, मैंने एक प्रसिद्ध व्यक्ति के बारे में कुछ वाक्य तैयार किए और उन्हें बोर्ड पर direct speech में लिखा।

- 'I live in Mumbai with my wife and children.'
- 'My mother always believed I would be an actor.'
- 'I've just won an award.'

- 'I'm going to start in a new film next month.'

बोर्ड की दूसरी ओर, मैंने 'Shah Rukh Khan said:' लिखा।

मैंने कक्षा से पूछा 'What would these sentences be in reported speech?' मैंने नहीं सोचा था कि उन्हें पता होगा, लेकिन एक विद्यार्थी ने अपना हाथ उठाया और उसने मुझे पहले वाक्य के लिए उत्तर दिया:

He said that he lived in Mumbai with his wife and children.

मैंने उसकी प्रशंसा की, और वाक्य को बोर्ड पर लिखा। मैंने उससे पूछा: 'How did you know the correct answer?' उसने कहा कि उसे पक्के तौर पर पता नहीं है। मैंने अन्य वाक्यों के बारे में पूछा, और कभी-कभी विद्यार्थियों को पता होता था कि उन्हें reported speech में कैसे रखना है और कभी-कभी नहीं। जब हम गतिविधि कर रहे थे, तब मैंने indirect speech बनाने के तरीकों के नियम समझाए।

नियमों को समझा देने और विद्यार्थियों द्वारा कई उदाहरण देख लेने के बाद, मैंने सोचा कि विद्यार्थियों को अधिक अभ्यास की जरूरत पड़ेगी। सब कुछ होने के बाद भी, केवल कुछ ही विद्यार्थियों ने अब तक भाग लिया था। इसलिए मैंने अपने विद्यार्थियों को जोड़ियों में बैठने को कहा और उनसे direct speech में कुछ वाक्य लिखने को कहा। मैंने उनसे कहा कि उन्हें कल्पना करनी चाहिए कि वाक्यों को एक प्रसिद्ध व्यक्ति द्वारा बोला गया था। मैंने कक्षा से कुछ उदाहरण देने को कहा:

I was born in Delhi.

I have three children.

मैंने direct speech में कुछ वाक्य लिखने के लिए कक्षा को पाँच मिनट दिए। जब वे लिख रहे थे तब मैंने कक्षा में चहलकदमी की और कुछ जोड़ियों की जाँच की। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए जाँच करता गया कि सभी विद्यार्थी लिखने में व्यस्त रहें! पाँच मिनट बाद, मैंने विद्यार्थियों से रुकने और अपने वाक्यों की उनके बगल की जोड़ी के साथ अदला-बदली करने को कहा। एक जोड़ी को दूसरी जोड़ी के वाक्य मिल जाने के बाद, मैंने वाक्यों – जो direct speech में थे – को indirect speech में बदलने को कहा। फिर, मैंने वाक्यों को indirect speech में बदलने के लिए कक्षा को दस मिनट की समय सीमा दी।

इन गतिविधियों को करने में अधिक समय बिताने में सक्षम होना अच्छा होता, लेकिन मेरे पास कक्षाओं में करने के लिए पहले से इतना कुछ था – कि मैं इस पर बहुत अधिक समय व्यतीत नहीं कर सकता था। जो भी हो, समय सीमा देने से सुनिश्चित होता है कि विद्यार्थी संकेंद्रित बने रहें।

जब कक्षा काम में व्यस्त थी, तब मैंने फिर से चहलकदमी की और जितना संभव हो सका उतने वाक्यों की जाँच करने का प्रयास किया। मैं देख सकता था कि कुछ विद्यार्थियों को कठिनाई हो रही है, इसलिए मैंने उन जोड़ियों को दिखाया कि वाक्य कैसे बनाए जाते हैं। बेशक, हर जोड़ी की जाँच करना और मदद करना असंभव था लेकिन कम से कम उन सभी को व्याकरण बिंदु के बारे में सोचने का एक मौका तो मिला था। और मुझे यह बात पता चली है कि विद्यार्थियों को सोचने और व्याकरण संरचनाओं का उपयोग करने के लिए कुछ समय की जरूरत होती है। जब दस मिनट खत्म हो गए, तो मैंने कुछ विद्यार्थियों से कुछ उदाहरण देने को कहा, जिससे मुझे देखने का मौका मिला कि उन्होंने समझ लिया है, और इससे कक्षा को नियमों पर दोबारा चर्चा करने का अवसर मिला।

2 अंग्रेजी व्याकरण का अभ्यास करने के लिए पाठ्यपुस्तक का प्रयोग करना

व्याकरण भाषा का कोई अलग हिस्सा नहीं होती है। आप अपनी पाठ्यपुस्तक में अध्यायों का प्रयोग विद्यार्थियों को यह समझाने में कर सकते हैं कि अंग्रजी में संरचना कैसे की जा सकती है। अध्यायों का प्रयोग आप यह पढाने में भी कर सकते हैं कि भाषा का वास्तविक प्रयोग कैसे होता हैं।

Early in the New Year of 1956 I travelled to Southen iraq. By then is had crossed my mind that I should like to keep an otter instead of a dog, and that Camusfearna, ringed by water a stone's throw from its door, would be an eminently suitable spot for this experiment.

when I casually mentioned this to a friend, he casuall replied that I had better get one in the Tigris marshes, for there they were as common as mosquitoes, and were often tamed by the Arabs. we were going to Basra to the

Consulate General to collect and answer our mail from Europe. At the Consulate-General we found that my friend's mail had arrived but that mine had not.

I cabled to England, and when, three days later, noting had happened, I tried to telephone. The call had to be booked twenty-four hours in advance. On the first day the line was out of order; on the second the exchange was closed for a religious holiday. on the third day there was another breakdown. My friend left, and I arranged to meet him in a week's time. Five days later, my mail arrived. I carried it to my bedroom to read, and there, squtting on the floor, were to Arbas; beside them lay a sack that squirmed from time to time. They handed me a note from my friend: 'Here is your other..

इस उद्धरण में व्याकरण के अनेक बिंदुओं के उदाहरण हैं। यहाँ कुछ उदाहरण प्रस्तुत हैं, लेकिन आप सूची में अन्य उदाहरण जोड़ सकते हैं:

- Past tense ('travelled', 'had crossed my mind')
- reported speech ('he casually replied that I had better')
- passive voice ('were often tamed').

इस तरह के गद्यांश इस बात के उदाहरण प्रदान करते हैं कि व्याकरण का प्रयोग कैसे किया जाता है, और आप इनकी ओर अपने विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। आप अपने विद्यार्थियों से उद्धरण को पढ़ने और कतिपय व्याकरण कार्य के उदाहरणों की तलाश या उन्हें रेखांकित करने – को कह सकते हैं। उदाहरण के लिए, वे past simple tense के सभी उदाहरणों को रेखांकित कर सकते हैं। यह विद्यार्थियों की उन व्याकरण बिंदुओं की समीक्षा करने में मदद करने का अच्छा तरीका है जो वे पहले से सीख चुके हैं, या जो उन्हें इस स्तर पर पता होना चाहिए।

केस–स्टडी 2 श्री गुप्ता present tense की समीक्षा कर रहे हैं

श्री गुप्ता हाल ही में एक ग्रामीण जिले के सरकारी स्कूल में स्थानांतरित किए गए हैं। इससे पहले वे राजधानी के शहर में पढ़ाते थे।

जब मैंने कक्षा 9 के विद्यार्थियों को पढ़ाना शुरू किया तो मैं यह देखकर दंग रह गया कि विद्यार्थी अपने पाठों के दौरान कितने शांत रहते थे: वे मेरे चुटकुलों पर नहीं हँसते थे, और न ही मेरे प्रश्नों का जवाब देते, या बोर्ड पर लिखी बातों का आनंद लेते थे। ऐसा लगता था कि उन्हें डर था कि मैं उनके बोलने और लिखने में व्याकरण संबंधी गलतियाँ करने के लिए उन्हें दंडित करूँगा। मैंने सोचा कि मुझे अपने विद्यार्थियों को कक्षा में सहज बनाना होगा और उनमें अंग्रेजी में बोलने व लिखने का आत्मविश्वास जगाना होगा।

मैंने यह दर्शाने के लिए अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक में किसी उपयुक्त अध्याय की तलाश की। अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक (CBSE's *Interact in English*) की इकाई 3, जिसका नाम 'Environment' था, में Indian rhinoceros का वर्णन था [देखें संसाधन 2]। मैंने सोचा कि present simple tense का प्रयोग लोगों या चीजों का वर्णन करने के लिए कैसे किया जाता है यह दर्शाने का यह एक अच्छा तरीका होगा आप अपनी कक्षा की पाठ्यपुस्तक से कोई उदाहरण ले सकते है।

शुरू करने से पहले, मैंने कक्षा को पाँच के समूहों में बाँटा और उनसे निम्नलिखित बातें पूछीं:

> Students, can you please work together to write five sentences describing this classroom. One person is the scribe for the group. The rest of you tell them what to write.

दो समूह सरल अंग्रेजी में सटीक विवरण लिखने में सफल हुए, लेकिन अन्य में से अधिकांश ने ऐसे विवरण लिखे जो व्याकरण के अनुसार सही नहीं थे। कुछ विद्यार्थियों ने वाक्यों को क्रिया के बिना लिखा। अन्य लोगों ने Tenses के मिश्रण का प्रयोग किया।

फिर मैंने विद्यार्थियों से अपने पाठों को अलग रखने को कहा और उन्हें बताया कि हम उन पर बाद में विचार करेंगे।

मैंने विद्यार्थियों से किताब को इकाई 3 पर खोलने और भारतीय गैंडे पर गद्यांश पढ़ने को कहा। जब वे पढ़ रहे थे, तब मैंने present simple tense में क्रियाओं के साथ वाक्य लिखे और विद्यार्थियों से उन्हें गद्यांश की जानकारी से पूरा करने को कहा:

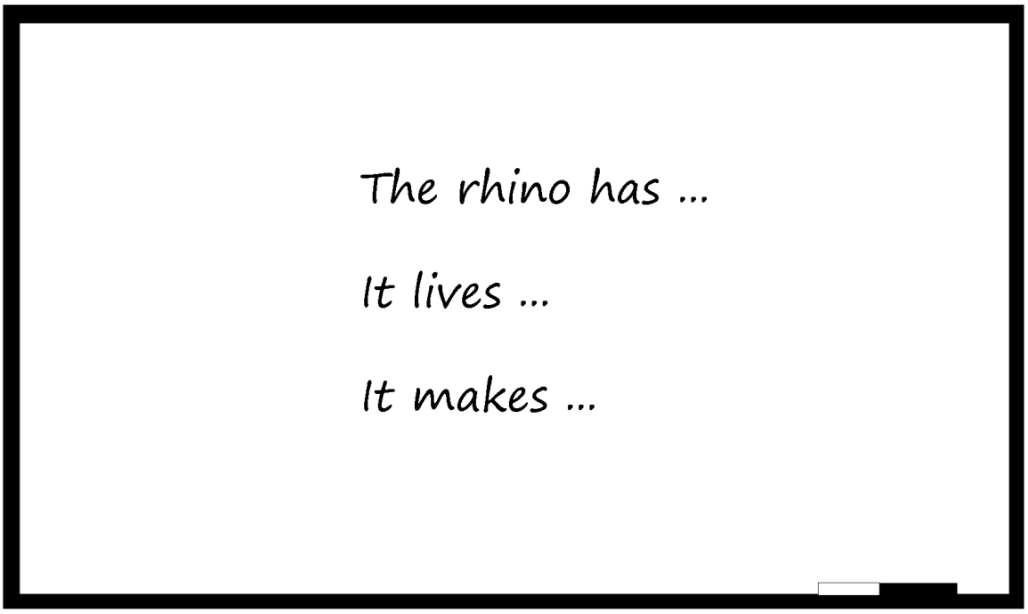

जब उन्होंने वाक्य पूरे कर लिए, तो मैंने उनका ध्यान पाठ के उन भागों की और खींचा जिनमें गैंडे की विशेषताओं का वर्णन किया गया था, और फिर इन वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाओं की ओर खींचा। मैंने स्पष्ट किया कि present simple tense का प्रयोग ऐसी किसी बात का वर्णन करने के लिए कैसे किया जाता है जो आम तौर पर सच होती है।

फिर मैंने उन्हें present simple ('It *lives*' और 'They *live*'; 'It *has*' और 'Rhinos *have*') के लिए subject-verb agreement नियमों की याद दिलाई। उस बिंदु पर मुझे महसूस हुआ कि विद्यार्थियों ने देख लिया था कि गद्यांशों में present simple का प्रयोग कैसे किया जाता है, और मैंने उन्हें उसे बनाने के नियमों की याद दिला दी थी। फिर मैं देखना चाहता था कि क्या वे अपने स्वयं के लेखन को सही कर सकते हैं।

इसलिए मैंने अपने विद्यार्थियों से कक्षा के स्वयं अपने विवरणों की समीक्षा करने और यह देखने को कहा कि क्या वे उन्हें बेहतर बना सकते हैं। मुझे हर्ष हुआ कि विद्यार्थी अपने गद्यांशों का संपादन करने और फिर उन्हें कक्षा को पढ़कर सुनाने के लिए आतुर थे। इस बार, विद्यार्थियों ने अपने वाक्यों को कहीं अधिक सटीक रूप से संरचित किया था।

गतिविधि 2: व्याकरण पढ़ाने के लिए पाठ्यपुस्तक के अध्यायों का प्रयोग करना
यह गतिविधि आपको अपने विद्यार्थियों के साथ करनी चाहिए। केस–स्टडी 2 में, शिक्षक ने यह देखने में विद्यार्थियों की मदद करने के लिए पाठ्यपुस्तक का प्रयोग किया कि वर्तमान काल का प्रयोग कैसे करते हैं और इसका प्रयोग उनके लेखन में अधिक सटीक ढंग से कैसे किया जाता है। अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाने और उसकी समीक्षा करने के लिए पाठ्यपुस्तक एक उपयोगी संसाधन है, खास तौर पर यदि आपके पास कोई व्याकरण की कोई विशिष्ट पुस्तक नहीं है। अपनी कक्षा में इस तकनीक का प्रयोग करने के लिए निम्न चरणों का अनुसरण करें: • व्याकरण के ऐसे किसी क्षेत्र की पहचान करें जिसमें आपको लगता है कि आपके विद्यार्थियों को कठिनाइयाँ हो रही हैं (उदाहरण के लिए, past tense का प्रयोग करना)। • ऐसा कोई अध्याय चुनें जिसमें व्याकरण के इस बिंदु के कुछ उदाहरण हैं। • विद्यार्थियों को जोड़ियों में बैठायेंऔर उनसे अध्याय को पढ़ते हुए व्याकरण के उस बिंदु के उदाहरणों को खोजने या रेखांकित करने को कहें। उनके शुरू करने से पहले संपूर्ण कक्षा के साथ एक उदाहरण करें ताकि हर व्यक्ति समझ ले कि उसे क्या करना है। एक समय सीमा, उदा., तीन मिनट निश्चित करें। • कुछ मिनट के बाद, विद्यार्थियों से आपको उदाहरण देने को कहें, और उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर विद्यार्थी सम्मिलित महसूस करता है, कक्षा के अलग-अलग भागों से विद्यार्थियों से पूछने का प्रयास करें। • उदाहरण के लिए, विद्यार्थियों से यह स्पष्ट करने को कहें कि व्याकरण के उस बिंदु का प्रयोग क्यों किया गया है। यदि विद्यार्थी नहीं समझा सकते हैं, तो अधिक प्रश्न पूछकर उनकी मदद करें। स्वयं स्पष्टीकरण देने का प्रयास न करें। • प्रारूप या स्पेलिंग के बारे में प्रश्न पूछें।

- यह पता लगाने के लिए कि आपके विद्यार्थियों ने कितना समझा है, उन्हें त्रुटि में सुधार करने का कोई अभ्यास दें। अध्याय में से कुछ और वाक्य लें और उनमें कुछ गलतियाँ प्रविष्ट करते हुए उन्हें बोर्ड पर लिखें।

विद्यार्थियों से वाक्यों की नकल करने और गलतियों को जोड़ियों में सुधारने को कहें। उसके लिए उन्हें एक समय सीमा दें और फिर कक्षा के साथ सुधारों की समीक्षा करें।

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी साथी शिक्षक के साथ करें।

- क्या आपके विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक के अध्याय के उदाहरणों को पहचानने में सक्षम थे? यदि नहीं, तो आप उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?
- इस अभ्यास ने आपके विद्यार्थियों के कौशलों के बारे में आपको क्या बताया? किन विद्यार्थियों को गलतियाँ सुधारने में कठिनाई महसूस हुई? उनकी अपनी गलतियों को सुधारने में आप उनकी मदद कैसे कर सकते हैं?

उदाहरण खोजने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के लिए आप उनके तलाश करने से पहले व्याकरण के बिंदु की चर्चा कर सकते हैं, और उन्हें कुछ उदाहरण दे सकते हैं। आप उन्हें संकेत दे सकते हैं जैसे: 'There is an example in the third paragraph' इस प्रकार की गतिविधि में प्रयुक्त की जाने वाली भाषा के उदाहरणों के लिए, संसाधन 3 देखें ।

यदि आपके विद्यार्थी स्वयं अपनी गलतियों को पहचान नहीं पाते हैं, तो आप उन्हें चिह्नित कर सकते हैं ताकि विद्यार्थी जान सकें कि गलतियाँ कहाँ पर हैं। उन्हें यह न बताएं कि गलती क्या है – उन्हें केवल यह बताएं कि वह किस वाक्य में है। या आप उनसे गलती के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं: उदाहरण के लिए, 'The person here is "my mother", तो आपको क्रिया "have" के किस प्रकार की जरूरत है?'

इस तरह की गतिविधि करते समय, नोट करें कि कौन से विद्यार्थी भाषा को आसानी से समझ रहे हैं, और किन्हें ऐसा करना कठिन लग रहा है। कुछ विद्यार्थी अधिक सीखने को तैयार रह सकते हैं, जबकि अन्य लोगों को अधिक अभ्यास की जरूरत होती है। यदि आप देखते हैं कि आपकी कक्षा में कई विद्यार्थियों को अधिक अभ्यास चाहिए, तो आप इस तरह की व्याकरण गतिविधि हर रोज कर सकते हैं। यदि केवल एक या दो विद्यार्थियों को ही कठिनाई होती लगती है, तो आप उनके साथ वैयक्तिक रूप से काम कर सकते हैं या उन्हें विशेष गृहकार्य दे सकते हैं ताकि वे समय के साथ सुधर सकें।

3 अंग्रेजी व्याकरण का अभ्यास करने के लिए अन्य संसाधनों का प्रयोग करना

आप व्याकरण की उन संरचनाओं के उदाहरण खोज सकते हैं जिनको अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकों में सीखने की विद्यार्थियों को जरूरत पड़ती है। आप उन्हें उन पाठों में भी खोज सकते हैं जो आप अपने दैनिक के जीवन में देखते हैं, जैसे अखबार, पत्रिकाएं, विज्ञापन – यहाँ तक कि विवाह के निमंत्रण। व्याकरण के बिंदु को समझाने केलिए वास्तविक पाठों का प्रयोग करने के कई लाभ हैं। वे:

- विद्यार्थियों की यह समझने में मदद करें कि व्याकरण याद करने के नियमों के समुच्चयों से बढ़कर कोई चीज है
- उन्हें इस तरह की संरचनाओं का प्रयोग बोली और लेखन में स्वयं करने के लिए तैयार करें
- उन्हें व्याकरण और अंग्रेजी को अपने जीवन में प्रासंगिक विषय के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करें।

(अंग्रेजी भाषा की कक्षाओं में आपके लिए उपयोगी पाठों के अधिक उदाहरणों के लिए, इकाई *अंग्रेजी पढ़ाने के लिए स्थानीय संसाधन*, और साथ ही संसाधन 4, 'स्थानीय संसाधनों का उपयोग करना' देखें।)

वीडियो: स्थानीय संसाधनों का उपयोग

केस–स्टडी 3 श्रीमती कुलकर्णी imperative की समीक्षा करने के लिए एक फूड रैपर का उपयोग करती हैं

श्रीमती कुलकर्णी माध्यमिक स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाती हैं। उनके कई विद्यार्थियों *को व्याकरण की उन संरचनाओं के साथ कठिनाई होती है जो वे समझती हैं कि उन्हें अब तक पता होने चाहिए। उदाहरण के लिए, उनके* विद्यार्थियों *को पाठ्यपुस्तक के एक अभ्यास में imperative का प्रयोग करने में कठिनाई हुई थी। उन्होंने ऐसा कुछ आजमाने का निश्चय किया जिससे उन्हें उसे याद करने और उसका प्रयोग करने में सहायता मिलेगी।*

मैंने देखा कि Maggi noodles में ऐसी शीघ और सरल व्यंजन विधियाँ दी गई हैं जिन्हें किशोर व्यक्ति भी घर पर आजमा सकते हैं। मैंने अपने विद्यार्थियों को imperative पढ़ाने के लिए व्यंजन विधियों का प्रयोग करने का निश्चय किया।

एक दिन मैंने अपने कक्षा 9 के विद्यार्थियों को कक्षा में खाली Masala Maggi रैपर लाने को कहा। Maggi बनाने के बारे में बोलने से पहले, मैंने इस बारे में एक वार्तालाप शुरू किया कि वे क्या पका सकते हैं, और क्या उन्हें चाय बनाना आता है। हमने पूरी कक्षा में चर्चा की और मैंने उनसे चाय बनाने के चरण मालूम किए, जिन्हें मैंने बोर्ड पर लिखा। उनमें 'We boil water', 'I put in sugar', 'I put in milk', 'I add one spoon of milk power', इत्यादि जैसे वाक्य थे।

बहुत सारे ठहाकों के बीच, हमने इस बारे में बहस की कि क्या कप में शक्कर पहले डाली जाय, या चाय की पत्तियों को सीधे पानी में डाला जाय, और अंत में मैंने चरणों को बोर्ड पर लिखा, और निश्चित किया कि imperative वाक्यों का प्रयोग किया जाय। ('Pour a cup of water in a kettle and boil …', 'Add a spoonful of sugar …')। मेरे विद्यार्थी इसके बारे में नहीं जानते थे फिर भी मैं imperative और उसकी संरचना के प्रयोग की समीक्षा कर रही थी। मैंने स्पष्ट किया कि हर वाक्य का पहला शब्द एक क्रिया था, और कि ये वाक्य निर्देश दे रहे हैं।

विद्यार्थियों के संरचना का प्रयोग करने को तैयार होने पर, मैंने उन्हें समूहों में बाँटा और उनसे उन Maggi रैपरों पर दी गई व्यंजन विधियों को देखने को कहा जो वे घर से लाए थे। उनका काम था सभी व्यंजन विधियों पर चर्चा करना, और imperative का प्रयोग करके, उन सब में दी गई युक्तियों का इस्तेमाल करते हुए एक नई और दिलचस्प व्यंजन विधि बनाना।

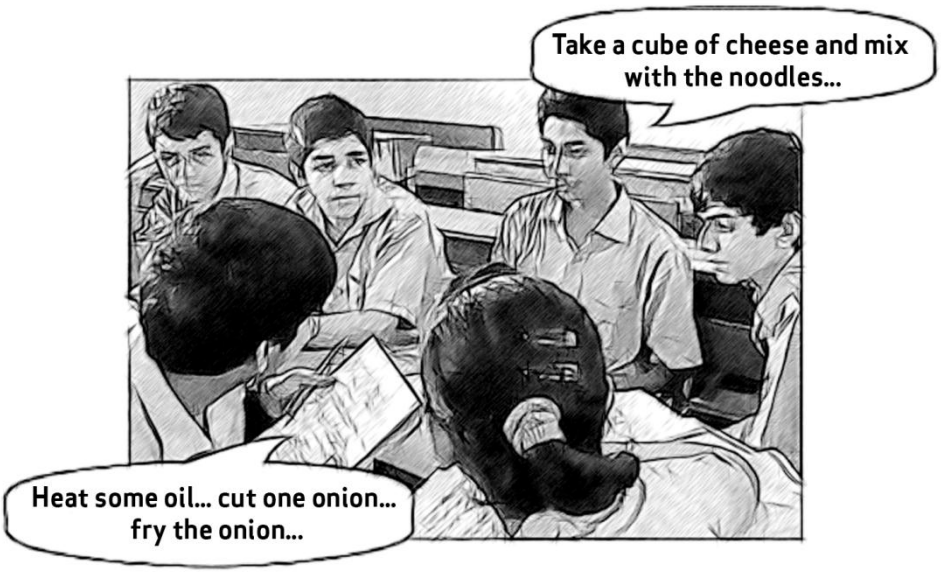

चित्र **1** मैगी के रैपरों पर दी गई व्यंजन विधियों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थी।

जब विद्यार्थी काम कर रहे थे तब मैं समूहों के मध्य धूमती रही और जहाँ आवश्यक हुआ वहाँ मैंने मदद की। पंद्रह मिनट बाद, मैंने प्रतिक्रिया लेनी शुरू की। मैंने एक समूह के विद्यार्थी से अपनी व्यंजन विधि पढ़ कर सुनाने को कहा, जिसे मैंने बोर्ड पर लिखा। फिर हमने मिलकर व्यंजन विधि पर चर्चा की, और आवश्यकतानुसार विवरण जोड़ने या बदलने का प्रयोस किया। हमने imperative के साथ होने वाली गलतियों को भी सुधारा।

गतिविधि 3: अंग्रेजी व्याकरण का अभ्यास करने के लिए अन्य संसाधनों का प्रयोग करना

यह गतिविधि आपको अपने विद्यार्थियों के साथ करनी चाहिए।

यहाँ दैनिक जीवन की वस्तुओं से संबंधित पाठ प्रस्तुत हैं जिनमें अंग्रेजी पाठ होते हैं। व्याकरण पढ़ाने के लिए आप उनका प्रयोग कैसे कर सकते हैं इस पर विचार करें:

- एक खाली फूड रैपर Emplty Food Wrappers (चित्र 2)।

- अखबार की सुर्खियाँ:
  - 'World Cup: defending champions Spain defeated 5–0 by the Netherlands'
  - 'Man caught with 6 gold bars in Goa airport'

- वैवाहिक निमंत्रण (चित्र 3)।

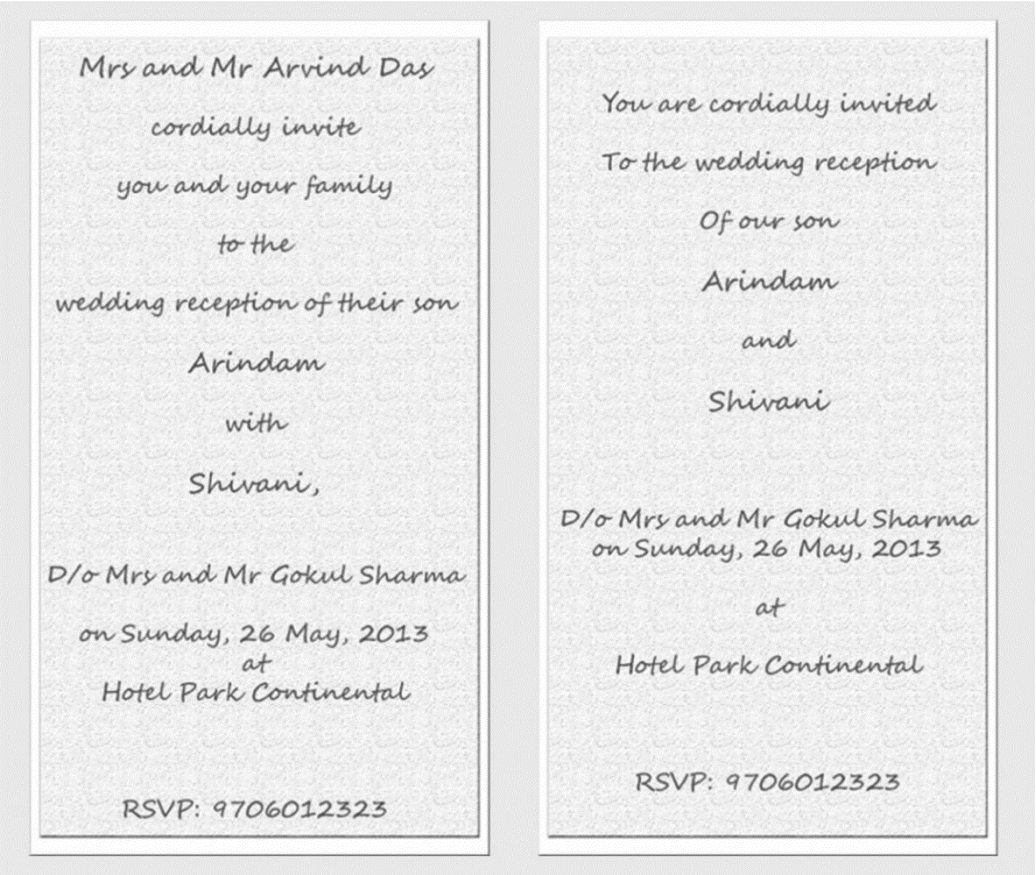

चित्र **3** दो वैवाहिक निमंत्रण।

व्याकरण पढ़ाने के लिए इन वस्तुओं का प्रयोग आप कई तरीकों से कर सकते हैं। यहाँ कुछ सुझाव दिए गए हैं, हालांकि आपके पास और विचार हो सकते हैं जिन्हें आप अपने शिक्षक साथियों के साथ साझा कर सकते हैं:

- खाद्य सामग्री के पैकेटों पर कभी-कभी व्यंजन विधियाँ दी जाती हैं। आप इन व्यंजन विधियों का प्रयोग निर्देशों की भाषा, उदाहरण के लिए imperative ('कुछ तेल गरम करें…') पढ़ाने या उसकी समीक्षा करने के लिए कर सकते हैं। विद्यार्थी imperative का प्रयोग करते हुए व्यंजन विधियाँ लिख सकते हैं। इन पैकेटों से इस पर चर्चा की जा सकती है कि मैगी नूडल्स कैसे बनाये जाते हैं या मैगी नूडल्स बनाने के सर्वोत्तम तरीकें (जैसे चीज़, अंडे या टुना मछली के साथ) पर विद्यार्थियों की राय जानने के लिये इन पैकेटों का प्रयोग किया जा सकता हैं।
- सुर्खियाँ passive voice का प्रयोग करती हैं। पूरे वाक्य होंगे 'पूर्व चैम्पियन स्पेन को नीदरलैंड ने 5-0 से हराया' और 'एक आदमी को गोवा विमानस्थल पर सोने की छह छड़ों के साथ पकड़ा गया है/पकड़ा गया'। छात्र passive voice का प्रयोग करके स्थानीय घटनाओं के बारे में सुर्खियाँ लिख सकते हैं, या उन्हें active voice में बदल सकते हैं।
- चित्र 3 में दिए गए निमंत्रण passive और active voice को हाइलाइट करते हैं। आप उनका प्रयोग क्रिया विशेषणों ('cordially') या पूर्वसर्गों ('on Sunday'; 'at Hotel Park Continental') की समीक्षा करने के लिए भी कर सकते हैं।

अपनी कक्षाओं को अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाने और उसकी समीक्षा करने के लिए आप कौन सी वस्तुएं एकत्र कर सकते हैं? अपने इर्दगिर्द आपको नज़र आने वाले अंग्रेजी भाषा के किसी भी उदाहरण की तस्वीरें भी ले सकते हैं। इस विषय पर अधिक जानने के लिए, संसाधन 5, 'पाठ की योजना बनाना' देखें।

खाद्य पदार्थों के पैकेटों, विज्ञापनों, अखबारों या पत्रिकाओं से इन विचारों और संसाधनों में से एक का प्रयोग करते हुए व्याकरण के किसी बिंदु को पढ़ाने और उसकी समीक्षा करने की योजना बनाएं।

वीडियो: पाठ की योजना बनाना

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी साथी शिक्षक के साथ करें।

- क्या आप सोचते हैं कि इस गतिविधि ने आपके विद्यार्थियों की व्याकरण बिंदु को याद रखने, और उसका प्रयोग अधिक सटीक ढंग से करने में मदद की?
- यदि हाँ, तो क्यों? यदि नहीं, तो क्यों नहीं?

पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त संसाधनों का प्रयोग विद्यार्थियों के लिए नई बात हो सकता है। मैगी नूडल्स पैकेज जैसे संसाधन का उपयोग विद्यार्थियों की यह देखने में मदद कर सकता है कि उनके इर्दगिर्द अंग्रेजी का प्रयोग कैसे किया जाता है और वे इस भाषा का प्रयोग स्वयं अपने प्रयोजनों के लिए कैसे कर सकते हैं।

4 सारांश

इस इकाई में आपने उन शिक्षण तकनीकों का अन्वेषण किया जो आपके विद्यार्थियों की व्याकरण के नियमों को याद करने से हटकर यह देखने की ओर जाने में मदद करते हैं कि उनकी बोली और लेखन में भाषा का सही ढंग से प्रयोग करने के लिए व्याकरण का प्रयोग कैसे किया जाता है। इन तकनीकों में शामिल है आपके विद्यार्थियों को वे तकनीकें देना जो उन्हें यह देखने में मदद करती हैं कि उनकी पाठ्यपुस्तकों या अन्य पाठों में गद्यांशों में व्याकरण का प्रयोग कैसे किया जाता है, और उदाहरणों को देखकर व्याकरण के नियमों का अनुमान लगाने में विद्यार्थियों की मदद करना। ये तकनीकें संचारात्मक प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी के प्रयोग को सीखने में आपके विद्यार्थियों की सहायता करने में आपकी मदद करेंगी और उनका प्रयोग आपके विद्यार्थियों के साथ नियमित रूप से किया जा सकता है।

यदि आप अपनी स्वयं के व्याकरण का अभ्यास करना और उसे सुधारना चाहते हैं, तो संसाधन 3 देखें। यदि आप व्याकरण को अपने अध्यायों में समाहित करने तथा विद्यार्थियों से नियमों का अन्वेषण करवाने के बारे में अधिक पढ़ना चाहते हैं, तो अतिरिक्त संसाधन देखें।

संसाधन

संसाधन 1: अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाने के अन्य तरीके

*तालिका **R1.1** अंग्रेजी व्याकरण पढ़ाने के अन्य तरीके।*

शिक्षक	लाभ	समस्याएं
A	यह तेज है। विद्यार्थी प्रश्नावली के साथ अभ्यास करते हैं निचले स्तरों पर प्रभावी हो सकती है	नियमों को याद करने की कुछ समस्याएं हैं: कुछ विद्यार्थी याद नहीं रख सकते; और नियमों को प्रयोग करना कठिन हो सकता है विद्यार्थियों को पर्याप्त अभ्यास नहीं मिलता (एक अभ्यास); उन विद्यार्थियों का क्या होगा जो नहीं समझ पाते हैं?
B	विद्यार्थी व्याकरण के बिंदु के अधिक उदाहरण देखते हैं, और शिक्षक A के तरीके से अधिक अभ्यास करते हैं समूहों में, विद्यार्थी एक दूसरे की मदद कर सकते हैं (विशेष रूप से यदि किसी को स्पष्टीकरण समझ में नहीं आया हो तो) जब विद्यार्थी स्वयं अपने वाक्य लिखते हैं, तब वे अधिक याद रखते हैं	इसमें शिक्षक A के तरीके से अधिक समय लगता है विद्यार्थी गलत वाक्य लिख सकते हैं कुछ विद्यार्थी सारा काम कर सकते हैं, और हो सकता है अन्य काम न करें सभी वाक्य भिन्न होते हैं इसलिए शिक्षक सारे काम की जाँच नहीं कर सकता है
C	विद्यार्थी अनेक उदाहरण देखते हैं; वे नियमों को स्वयं के लिए हल करते हैं – इससे उन्हें अधिक याद रखने में मदद मिलती है।	उन विद्यार्थियों के लिए कठिन हो सकता है जो उसके आदी नहीं हैं; शिक्षक A और B के तरीकों से अधिक समय लेता है

संसाधन 2: पाठ्यपुस्तक से लिया गया एक उद्धरण

This prehistoric-looking rhinoceros has thick, silver-brown skin which becomes pinkish near the large skin folds that cover its body. The male develops thick neckfolds. It has very little body hair aside from eyelashes, ear-fringes and tail-brush. These rhinos live in tall grasslands and riverine forests, but due to habitat loss they have been forced into more cultivated land. They are mostly solitary creatures, with the exception of mothers and calves and breeding pairs, although they sometimes congregate at bathing areas. The Indian rhinoceros makes a wide variety of vocalizations. At least ten distinct vocalizations have been identified: snorting, honking, bleating, roaring, squeakpanting, moo-grunting, shrieking, groaning, rumbling and humphing. In addition to noises, the rhino uses olfactory communication.

संसाधन 3: स्वयं अपनी अंग्रेज़ी का विकास करें

Here is some language you could use in your classroom when teaching grammar:

- This sentence is in direct speech. Can you tell me how to put it in reported speech?
- Yes, that's a good start. Can anyone help?
- OK, very good. Now let's look at the next example. Can another student tell me how to put this sentence in reported speech?
- Can you find an example of the past tense in this passage?
- There is an example of simple past in the third paragraph.
- The person in this sentence is 'my mother'. What form of the verb 'have' do you need' to use in this sentence?
- We use past tense when we are writing about something that happened at a specific time in the past. It is finished now.

- Which letters do we usually add to a verb to talk about the past?
- Why does the word 'replied' have the letter 'i' in it?
- 'We was going to Basra.' Is that correct?

Here are some tips for developing your own knowledge and use of grammar:

- उन गलतियों की पहचान करें जिन्हें आप अक्सर करते हैं। और उन व्याकरण संबंधी बिन्दुओं के बारे में योजना बनाएँ जिन्हें आप बेहतर बनाना चाहते हैं। Identify the mistakes you often make, or the grammar points that you want to improve. Make a plan of how and when you are going to work on these points.
- ग्रामर बुक का संदर्भ लेने का प्रयास करें या आनलाइन संसाधनों का प्रयोग करें। Obtain or arrange access to a grammar reference book (or find an online resource). Refer to it whenever you have a question about grammar.
- अधिकाधिक अंग्रेजी पढ़ें और व्याकरण पर ध्यान केन्द्रित करें यह आपके शब्दभण्डार को बढ़ाने के लिए भी जरूरी है। Read as much as possible in English and pay close attention to the grammar. This is also very useful for developing your vocabulary.
- व्याकरण संबंधी बिन्दुओं को अपने सहयोगियों के साथ साझा करें। Discuss grammar points with colleagues.
- व्याकरण संबंधी अभ्यासों को किसी पुस्तक या आनलाइन हल करने का प्रयास करें। नीचे कुछ उपयोगी लिंक दिये गये हैं। Try grammar practice exercises, either in a grammar book or online. See below for some useful links.

Here are some links to websites where you can learn about and practise grammar:

- English grammar: http://learnenglish.britishcouncil.org/en/english-grammar
- Quick grammar reference: http://learnenglish.britishcouncil.org/en/quick-grammar
- Grammar exercises: http://learnenglish.britishcouncil.org/en/grammar-exercises
- The internet grammar of English: http://www.ucl.ac.uk/internet-grammar/
- Grammar, vocabulary and pronunciation: http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/language/

संसाधन 4: स्थानीय संसाधनों का प्रयोग करते हुए

अध्यापन के लिए केवल पाठ्यपुस्तकों का ही नहीं – बल्कि अनेक शिक्षण संसाधनों का प्रयोग किया जा सकता है। यदि आप विभिन्न ज्ञानेंद्रियों (दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, गंध, स्वाद) का प्रयोग करने वाले तरीकों की पेशकश करते हैं, तो आप विद्यार्थियों के सीखने के विभिन्न तरीकों को आकर्षित करेंगे। आपके इर्दगिर्द ऐसे संसाधन उपलब्ध हैं जिनका प्रयोग आप कक्षा में कर सकते हैं, और जिनसे आपके विद्यार्थियों की शिक्षण-प्रक्रिया को समर्थन मिल सकता है। कोई भी स्कूल शून्य या जरा सी लागत से अपने स्वयं के शिक्षण संसाधन बना सकता है। इन सामग्रियों को स्थानीय ढंग से प्राप्त करके, पाठ्यक्रम और आपके विद्यार्थियों के जीवन के बीच संबंध बनाए जाते हैं।

आपको अपने नजदीकी पर्यावरण में ऐसे लोग मिलेंगे जो विविध प्रकार के विषयों में पारंगत हैं; आपको कई प्रकार के प्राकृतिक संसाधन भी मिलेंगे। इससे आपको स्थानीय समुदाय के साथ संबंध जोड़ने, उसके महत्व को प्रदर्शित करने, विद्यार्थियों को उनके पर्यावरण की प्रचुरता और विविधता को देखने के लिए प्रोत्साहित करने, और संभवतः सबसे महत्वपूर्ण रूप से, विद्यार्थियों के शिक्षण में समग्र दृष्टिकोण – यानी, स्कूल के भीतर और बाहर शिक्षा को अपनाने की ओर काम करने में सहायता मिल सकती है।

अपनी कक्षा का अधिकतम लाभ उठाना

लोग अपने घरों को यथासंभव आकर्षक बनाने के लिए कठिन मेहनत करते हैं। उस पर्यावरण के बारे में सोचना भी महत्वपूर्ण है जहाँ आप अपने विद्यार्थियों को शिक्षित करने की अपेक्षा करते हैं। आपकी कक्षा और स्कूल को पढ़ाई की एक आकर्षक जगह बनाने के लिए आप जो कुछ भी कर सकते हैं उसका आपके विद्यार्थियों पर सकारात्मक प्रभाव होगा। अपनी कक्षा को रोचक और आकर्षक बनाने के लिए आप बहुत कुछ कर सकते हैं – उदाहरण के लिए, आप:

- पुरानी पत्रिकाओं और पुस्तिकाओं से पोस्टर बना सकते हैं
- वर्तमान विषय से संबंधित वस्तुएं और शिल्पकृतियाँ ला सकते हैं
- अपने विद्यार्थियों के काम को प्रदर्शित कर सकते हैं

- विद्यार्थियों को उत्सुक बनाए रखने और नई शिक्षण-प्रक्रिया को प्रेरित करने के लिए कक्षा में प्रदर्शित चीजों को बदलें।

अपनी कक्षा में स्थानीय विशेषज्ञों का उपयोग करना

यदि आप गणित में पैसे या परिमाणों पर काम कर रहे हैं, तो आप बाज़ार के व्यापारियों या दर्जियों को कक्षा में आमंत्रित कर सकते हैं और उन्हें यह समझाने को कह सकते हैं कि वे अपने काम में गणित का प्रयोग कैसे करते हैं। वैकल्पिक रूप से, यदि आप कला विषय के अंतर्गत परिपाटियों और आकारों जैसे विषय पर काम कर रहे हैं, तो आप मेहंदी डिजाइनरों को स्कूल में बुला सकते हैं ताकि वे भिन्न-भिन्न आकारों, डिजाइनों, परम्पराओं और तकनीकों को समझा सकें। अतिथियों को आमंत्रित करना तब सबसे उपयोगी होता है जब शैक्षणिक लक्षयों के साथ संबंध हर एक व्यक्ति को स्पष्ट होता है और सामयिकता की साझा अपेक्षाएं मौजूद होती हैं।

आपके पास स्कूल समुदाय में विशेषज्ञ उपलब्ध हो सकते हैं जैसे (रसोइया या देखभालकर्ता) जिन्हें विद्यार्थियों द्वारा अपने शिक्षण के संबंध में प्रतिबिंबित किया जा सकता है अथवा वे उनके साथ साक्षात्कार कर सकते हैं; उदाहरण के लिए, पकाने में इस्तेमाल की जाने वाली मात्राओं का पता लगाने के लिए, या स्कूल के मैदान या भवनों पर मौसम संबंधी स्थितियों का कैसे प्रभाव पड़ता है।

बाह्य पर्यावरण का उपयोग करना

आपकी कक्षा के बाहर ऐसे अनेक संसाधन उपलब्ध हैं, जिनका प्रयोग आप अपने पाठों में कर सकते हैं। आप पत्तों, मकड़ियों, पौधों, कीटों, पत्थरों या लकड़ी जैसी वस्तुओं को एकत्रित कर सकते हैं (या अपनी कक्षा से एकत्रित करने को कह सकते हैं)। इन संसाधनों को अंदर लाने से कक्षा में रूचिकर प्रदर्शन तैयार किए जा सकते हैं जिनका संदर्भ पाठों में किया जा सकता है। इनसे चर्चा या प्रयोग आदि करने के लिए वस्तुएं प्राप्त हो सकती हैं जैसे वर्गीकरण से संबंधित गतिविधि, या सजीव या निर्जीव वस्तुएं। बस की समय सारणियों या विज्ञापनों जैसे संसाधन भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं जो आपके स्थानीय समुदाय के लिए प्रासंगिक हो सकते हैं – इन्हें शब्दों को पहचानने, गुणों की तुलना करने या यात्रा के समयों की गणना करने के कार्य निर्धारित करके शिक्षा के संसाधनों में बदला जा सकता है।

कक्षा में बाहर से वस्तुएं लाई जा सकती हैं- लेकिन बाहरी स्थान भी आपकी कक्षा का विस्तार हो सकते हैं। आम तौर पर सभी विद्यार्थियों के लिए चलने-फिरने और अधिक आसानी से देखने के लिए बाहर अधिक जगह होती है। जब आप सीखने के लिए अपनी कक्षा को बाहर ले जाते हैं, तो वे निम्नलिखित गतिविधियो को कर सकते हैं:

- दूरियों का अनुमान करना और उन्हें मापना
- यह दर्शाना कि घेरे पर हर बिन्दु केन्द्रीय बिन्दु से समान दूरी पर होता है
- दिन के भिन्न समयों पर परछाइयों की लंबाई रिकार्ड करना
- संकेतों और निर्देशों को पढ़ना
- साक्षात्कार और सर्वेक्षण आयोजित करना
- सौर पैनलों की खोज करना
- फसल की वृद्धि और वर्षा की निगरानी करना।

बाहर, उनका शिक्षण वास्तविकताओं तथा उनके स्वयं के अनुभवों पर आधारित होता है, तथा शायद अन्य संदर्भों में अधिक लागू हो सकता है।

यदि आपके बाहर के काम में स्कूल के परिसर को छोड़ना शामिल हो तो, जाने से पहले आपको स्कूल के मुख्याध्यापक की अनुमति लेनी चाहिए, समय सारणी बनानी चाहिए, सुरक्षा की जाँच करनी चाहिए और विद्यार्थियों को नियम स्पष्ट करने चाहिए। इससे पहले कि आप बाहर जाएं, आपको और आपके विद्यार्थियों को यह बात स्पष्ट रूप से पता होनी चाहिए कि किस संबंध में जानकारी प्राप्त की जाएगी।

संसाधनों का अनुकूलन करना

चाहें तो आप मौजूदा संसाधनों को अपने विद्यार्थियों के लिए कहीं अधिक उपयुक्त बनाने हेतु उन्हें परिवर्तित कर सकते हैं। ये परिवर्तन छोटे से हो सकते हैं किंतु बड़ा अंतर ला सकते हैं, विशेष तौर पर यदि आप शिक्षण को कक्षा के सभी विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, आप स्थान और लोगों के नाम बदल सकते हैं यदि वे दूसरे राज्य से संबंधित है, या गाने में व्यक्ति के लिंग को बदल सकते हैं, या कहानी में शारीरिक रूप से अक्षम बच्चे को शामिल कर सकते हैं। इस तरह से आप संसाधनों को अधिक समावेशी और अपनी कक्षा और उनकी शिक्षण-प्रक्रिया के उपयुक्त बना सकते हैं।

साधन संपन्न होने के लिए अपने साथी शिक्षकों के साथ काम करें; संसाधनों को विकसित करने और उन्हे अनुकूलित करने के लिए आपके बीच ही आपको कई कुशल व्यक्ति मिल जाएंगे। एक साथी शिक्षक के पास संगीत, जबकि दूसरे के पास कठपुतलियाँ बनाने या कक्षा के बाहर के विज्ञान को नियोजित करने के कौशल हो सकते हैं। आप अपनी कक्षा में जिन संसाधनों को प्रयोग करते हैं उन्हें अपने साथी शिक्षकों के साथ साझा कर सकते हैं ताकि अपने स्कूल के सभी क्षेत्रों में एक प्रचुर शिक्षण पर्यावरण बनाने में आप सबकी सहायता हो सके।

संसाधन 5: पाठ की योजना बनाना

अपने पाठों की योजना बनाना और उनकी तैयारी क्यों महत्वपूर्ण है

अच्छे अध्यायों की योजना बनानी होती है। नियोजन आपके अध्यायों को स्पष्ट और सुसामयिक बनाने में मदद करता है, जिसका अर्थ यह है कि आपके विद्यार्थी सक्रिय और आकृष्ट बने रह सकते हैं। प्रभावी नियोजन में कुछ अंतर्निहित लचीलापन भी शामिल होता है ताकि अध्यापक पढ़ाते समय अपने विद्यार्थियों की शिक्षण-प्रक्रिया के बारे में कुछ पता चलने पर उसके प्रति अनुक्रिया कर सकें। अध्यायों की शृंखला के लिए योजना पर काम करने में विद्यार्थियों और उनके पूर्व-शिक्षण को जानना, पाठ्यक्रम में से आगे बढ़ने के क्या अर्थ है, और विद्यार्थियों के पढ़ने में मदद करने के लिए सर्वोत्तम संसाधनों और गतिविधियों की खोज करना शामिल होता है।

नियोजन एक सतत प्रक्रिया है जो आपको अलग-अलग अध्यायों और साथ ही, एक के ऊपर एक विकसित होते अध्यायों की शृंखला, दोनों की तैयारी करने में मदद करती है। अध्याय के नियोजन के चरण ये हैं:

- अपने विद्यार्थियों की प्रगति के लिए आवश्यक बातों के बारे में स्पष्ट रहना
- तय करना कि आप कौन से ऐसे तरीके से पढ़ाने जा रहे हैं जिसे विद्यार्थी समझेंगे और आपको जो पता लगेगा उसके प्रति अनुक्रिया करने के लचीलेपन को कैसे बनाए रखेंगे
- पीछे मुड़कर देखना कि अध्याय कितनी अच्छी तरह से चला और आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा ताकि भविष्य के लिए योजना बना सकें।

अध्यायों की श्रृंखला का नियोजन करना

जब आप किसी पाठ्यक्रम का अनुसरण करते हैं, तो नियोजन का पहला भाग यह निश्चित करना होता है कि पाठ्यक्रम के विषयों और प्रसंगों को खंडों या टुकड़ों में किस सर्वोत्तम ढंग से विभाजित किया जाय। आपको विद्यार्थियों के प्रगति करने तथा कौशलों और ज्ञान का क्रमिक रूप से विकास करने के लिए उपलब्ध समय और तरीकों पर विचार करना होगा। आपके अनुभव या सहकर्मियों के साथ चर्चा से आपको पता चल सकता है कि किसी विषय के लिए चार अध्याय लगेंगे, लेकिन किसी अन्य विषय के लिए केवल दो। आपको इस बात से अवगत रहना चाहिए कि आप भविष्य में उस सीख पर अलग तरीकों से और अलग अलग समयों पर तब लौट सकते हैं, जब अन्य विषय पढ़ाए जाएंगे या विषय को विस्तारित किया जाएगा।

सभी पाठों की योजनाओं में आपको निम्न बातों के बारे में स्पष्ट रहना होगा:

- विद्यार्थियों को आप क्या पढ़ाना चाहते हैं
- आप उस शिक्षण का परिचय कैसे देंगे
- विद्यार्थियों को क्या और क्यों करना होगा।

आप शिक्षण को सक्रिय और रोचक बनाना चाहेंगे ताकि विद्यार्थी सहज और उत्सुक महसूस करें। इस बात पर विचार करें कि पाठों की शृंखला में विद्यार्थियों से क्या करने को कहा जाएगा ताकि आप न केवल विविधता और रुचि बल्कि लचीलापन भी बनाए रखें। योजना बनाएं कि जब आपके विद्यार्थी पाठों की शृंखला में से प्रगति करेंगे तब आप उनकी समझ की जाँच कैसे करेंगे। यदि कुछ भागों को अधिक समय लगता है या वे जल्दी समझ में आ जाते हैं तो समायोजन करने के लिए तैयार रहें।

अलग-अलग पाठों की तैयारी करना

पाठों की श्रृंखला को नियोजित कर लेने के बाद, प्रत्येक पाठ को उस प्रगति के आधार पर अलग से नियोजित करना होगा जो विद्यार्थियों ने उस बिंदु तक की है। आप जानते हैं या पाठों की श्रृंखला के अंत में यह आप जान सकेंगे कि विद्यार्थियों ने क्या सीख लिया होगा, लेकिन आपको किसी अप्रत्याशित चीज को फिर से दोहराने या अधिक शीघ्रता से आगे बढ़ने की जरूरत हो सकती है। इसलिए हर पाठ को अलग से नियोजित करना चाहिए ताकि आपके सभी विद्यार्थी प्रगति करें और सफल तथा सम्मिलित महसूस करें।

पाठ की योजना के भीतर आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक गतिविधि के लिए पर्याप्त समय है और कि सभी संसाधन तैयार हैं, जैसे क्रियात्मक कार्य या सक्रिय समूहकार्य के लिए। बड़ी कक्षाओं के लिए सामग्रियों के नियोजन के हिस्से के रूप में आपको अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग प्रश्नों और गतिविधियों की योजना बनानी पड़ सकती है।

जब आप नए विषय पढ़ाते हैं, आपको आत्मविश्वासी होने के लिए अभ्यास करने और अन्य अध्यापकों के साथ विचारों पर बातचीत करने के लिए समय की जरूरत पड़ सकती है।

तीन भागों में अपने पाठों को तैयार करने के बारे में सोचें। इन भागों पर नीचे चर्चा की गई है।

1 परिचय

पाठ के शुरू में, विद्यार्थियों को समझाएं कि वे क्या सीखेंगे और करेंगे, ताकि हर एक को पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है। विद्यार्थी जो पहले से ही जो जानते हैं उन्हें उसे साझा करने की अनुमति देकर वे जो करने वाले हों उसमें उनकी दिलचस्पी पैदा करें।

2 पाठ का मुख्य भाग

विद्यार्थी जो कुछ पहले से जानते हैं उसके आधार पर सामग्री की रूपरेखा बनाएं। आप स्थानीय संसाधनों, नई जानकारी या सक्रिय पद्धतियों के प्रयोग का निर्णय ले सकते हैं जिनमें समूहकार्य या समस्याओं का समाधान करना शामिल है। प्रयोग करने के लिए संसाधनों और उस तरीके की पहचान करें जिससे आप अपनी कक्षा में उपलब्ध स्थान का प्रयोग करेंगे। विविध प्रकार की गतिविधियों, संसाधनों, और समयों का प्रयोग पाठ के नियोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि आप वभिन्न पद्धतियों और गतिविधियों का प्रयोग करते हैं, तो आप अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचेंगे, क्योंकि वे भिन्न तरीकों से सीखेंगे।

3 शिक्षण की जाँच करने के पाठ की समाप्ति

हमेशा यह पता लगाने के लिए समय (पाठ के दौरान या उसकी समाप्ति पर) रखें कि कितनी प्रगति की गई है। जाँच करने का अर्थ हमेशा परीक्षा ही नहीं होता है। आम तौर पर उसे शीघ्र और उसी जगह पर होना चाहिए – जैसे नियोजित प्रश्न या विद्यार्थियों को जो कुछ उन्होंने सीखा है उसे प्रस्तुत करते देखना – लेकिन आपको लचीला होने के लिए और विद्यार्थियों के उत्तरों से आपको जो पता चलता है उसके अनुसार परिवर्तन करने की योजना बनानी चाहिए।

पाठ को समाप्त करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है शुरू के लक्ष्यों पर वापस लौटना और विद्यार्थियों को इस बात के लिए समय देना कि वे एक दूसरे को और आपको उस शिक्षण से हुई उनकी प्रगति के बारे में बता सकें। विद्यार्थियों की बात को सुनकर आप सुनिश्चित कर सकेंगे कि आपको पता रहे कि अगले पाठ के लिए क्या योजना बनानी है।

पाठों की समीक्षा करना

हर पाठ का पुनरावलोकन करें और इस बात दर्ज करें कि आपने क्या किया, आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा, किन संसाधनों का उपयोग किया गया और सब कुछ कितनी अच्छी तरह से संपन्न हुआ ताकि आप अगले पाठों के लिए अपनी योजनाओं में सुधार या उनका समायोजन कर सकें। उदाहरण के लिए, आप निम्न का निर्णय कर सकते हैं:

- गतिविधियों में बदलाव करना
- खुले और बंद प्रश्नों की एक श्रृंखला तैयार करना
- जिन विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहायता चाहिए उनके साथ अनुवर्ती सत्र आयोजित करना।

सोचें कि आप विद्यार्थियों के सीखने में मदद के लिए क्या योजना बना सकते थे या अधिक बेहतर कर सकते थे।

जब आप हर पाठ पढ़ायेगें तब आपकी पाठ संबंधी योजनाएं अपरिहार्य रूप से बदल जाएंगी, क्योंकि आप हर होने वाली चीज का पूर्वानुमान नहीं कर सकते। अच्छे नियोजन का अर्थ है कि आप जानते हैं कि आप शिक्षण को किस तरह से करना चाहते हैं और इसलिए जब आपको अपने विद्यार्थियों के वास्तविक शिक्षण के बारे में पता चलेगा तब आप लचीले ढंग से उसके प्रति अनुक्रिया करने को तैयार रहेंगे।

अतिरिक्त संसाधन

यहाँ व्याकरण पढ़ाने के बारे में लेखों और सुझावों के लिए कुछ लिंक्स दिए गए हैं:

- Exploiting texts: http://www.onestopenglish.com/grammar/grammar-teaching/exploiting-texts/
- The discovery technique: http://www.onestopenglish.com/grammar/grammar-teaching/the-discovery-technique/
- Grammar reference: http://www.onestopenglish.com/grammar/grammar-reference/
- Grammar teaching: http://www.onestopenglish.com/grammar/grammar-teaching/
- What matters in grammar teaching: http://www.teachingenglish.org.uk/article/what-matters-grammar-teaching
- Teaching grammar inductively: http://www.teachingenglish.org.uk/article/teaching-grammar-inductively-catherine-walter
- 'Communicative grammar': http://orelt.col.org/module/6-communicative-grammar

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Lee, J.F. and VanPatten, B. (2003) *Making Communicative Language Teaching Happen*, 2nd edn. Boston, MA: McGraw-Hill.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही प्रयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का प्रयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्त्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

चित्र 2: http://www.maggi.co.uk/। (Figure 2: http://www.maggi.co.uk/.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित) : भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।